SAMPLE CONTENT

PERFECT

हिंदी सुलभभारती

कक्षा आठवीं

चंद्रभूषण शुक्ल
B.M.M.- Journalism

Target Publications® Pvt. Ltd.

महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे
दूवारा निर्धारित पाठ्यक्रम पर आधारित

PERFECT

हिंदी सुलभभारती

आठवीं कक्षा

विशेषताएँ

- बोर्ड कृतिपत्रिका प्रारूप व अद्ययावत पाठ्यपुस्तक पर आधारित
- विविध आकलन कृतियों का समावेश
- प्रत्येक पाठ का गद्यांश व पद्यांश में विभाजन
- अधिकाधिक अभ्यास हेतु भाषा अध्ययन (व्याकरण) का प्रत्येक गद्य में समावेश
- विद्यार्थियों के मार्गदर्शन हेतु स्वतंत्र भाषा अध्ययन (व्याकरण) विभाग
- लेखन कौशल विकास हेतु रचना विभाग (उपयोजित लेखन) का स्वतंत्र विभाग

Sample Content

Printed at: **India Printing Works,** Mumbai

© *Target Publications Pvt. Ltd.*
No part of this book may be reproduced or transmitted in any form or by any means, C.D. ROM/Audio Video Cassettes or electronic, mechanical including photocopying; recording or by any information storage and retrieval system without permission in writing from the Publisher.

Balbharati Registration No.: 2018MH0022 **TEID: 2617** P.O. No. 7819

प्रस्तावना

प्रिय विद्यार्थियो !

हम सहृदय आठवीं कक्षा में आपका अभिनंदन करते हैं। शैक्षणिक यात्रा के इस पड़ाव पर मानसिक चिंता व चिंतन दोनों का बढ़ना स्वाभाविक है। शिक्षा की पारंपरिक पद्धतियों में परिवर्तन कर उसे आधुनिक स्वरूप में ढालने व शिक्षा को व्यवहार जगत से जोड़ने के उद्देश्य से शिक्षण मंडळ ने इस पाठ्यक्रम का निर्माण किया है। शिक्षण मंडळ के उठाए गए इस कदम से ज्ञान के रूप में विविधता आने के साथ ही विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास निश्चित है। बोर्ड कृतिपत्रिका प्रारूप को आधार बनाकर **टार्गेट पब्लिकेशंस** द्वारा **PERFECT हिंदी सुलभभारती : आठवीं कक्षा** मार्गदर्शक पुस्तिका का निर्माण किया गया है। यह पुस्तिका पाठ्यक्रम को सरल, सुगम एवं रुचिकर बनाने के साथ ही विद्यार्थी एवं पाठ्यक्रम के बीच सेतु का कार्य करेगी।

विद्यार्थियों में भाषिक क्षमता प्रबल करने अर्थात श्रवण, भाषण, वाचन एवं लेखन में उन्हें दक्ष बनाने के साथ ही उनकी कल्पनात्मक व वैचारिक शक्ति को और अधिक विकसित करने के उद्देश्य से इस पुस्तिका का निर्माण किया गया है। पुस्तिका की विविध विशेषताओं की विवेचना आगे के कुछ पृष्ठों पर विस्तारित रूप से की गई है। हमें आशा और विश्वास है कि यह पुस्तिका विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए उपयोगी व ज्ञानवर्धक सिद्ध होगी और उनका सही दिशा में मार्गदर्शन करेगी।

पुस्तिका की उत्कृष्टता बढ़ाने के लिए आपके अमूल्य सुझाव आमंत्रित हैं। हमारा ई-मेल है : mail@targetpublications.org

उज्ज्वल भविष्य हेतु ढेरों शुभकामनाएँ !

प्रकाशक

संस्करण : तीसरा

Sample Content

Disclaimer

This reference book is transformative work based on 'हिंदी सुलभभारती ; प्रथमावृत्ति : २०१८ चौथा पुनर्मुद्रण : २०२२' published by the Maharashtra State Bureau of Textbook Production and Curriculum Research, Pune. We the publishers are making this reference book which constitutes as fair use of textual contents which are transformed by adding and elaborating, with a view to simplify the same to enable the students to understand, memorize and reproduce the same in examinations.

This work is purely inspired upon the course work as prescribed by the Maharashtra State Bureau of Textbook Production and Curriculum Research, Pune. Every care has been taken in the publication of this reference book by the Authors while creating the contents. The Authors and the Publishers shall not be responsible for any loss or damages caused to any person on account of errors or omissions which might have crept in or disagreement of any third party on the point of view expressed in the reference book.

© reserved with the Publisher for all the contents created by our Authors.

No copyright is claimed in the textual contents which are presented as part of fair dealing with a view to provide best supplementary study material for the benefit of students.

विशेषताएँ

सरल भाषा : विद्यार्थियों की सुविधा हेतु सरल भाषा शैली का प्रयोग किया गया है।

संकलित व आकारिक मूल्यांकन : पाठ्यक्रम को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक पाठ को संकलित व आकारिक इन दो विभागों में बाँटा गया है।

पाठ परिचय : प्रत्येक पाठ का आवश्यकतानुसार पाठ परिचय दिया गया है। इससे विद्यार्थियों को पाठ के उद्देश्य को समझने में आसानी होगी।

सरल अर्थ : कविताओं को सरलता से समझने के लिए उनके सरल अर्थ (भावार्थ) दिए गए हैं।

शब्दार्थ/मुहावरे/कहावतें : प्रत्येक पाठ में आए कठिन शब्दों के सरल हिंदी व अंग्रेजी अर्थ दिए गए हैं। पाठ में प्रयुक्त कहावतें व मुहावरे भी अर्थ सहित दिए गए हैं।

गद्यांश व पद्यांश : प्रत्येक पाठ का गद्यांश व पद्यांश में विभाजन कर उनपर आधारित कृतियाँ दी गई हैं।

पाठ पर आधारित कृतियाँ : संपूर्ण पाठ पर आधारित कृतियों को इस विशेष विभाग में शामिल किया गया है।

भाषिक कौशल : पाठ्यपुस्तक में दी गई श्रवणीय, संभाषणीय, पठनीय आदि कृतियों को आवश्यकतानुसार इस विभाग में शामिल किया गया है।

भाषा अध्ययन (व्याकरण) : व्याकरण के विभिन्न घटकों को प्रत्येक गद्य में समाहित करने के साथ ही इस विशेष विभाग में उनका विस्तारित विवेचन करते हुए अभ्यास दिया गया है।

उपयोजित लेखन : विद्यार्थियों को लेखन की कला में निपुण बनाने के लिए यहाँ पत्र-लेखन, गद्य-आकलन, वृत्तांत-लेखन, कहानी-लेखन, विज्ञापन-लेखन, अनुवाद-लेखन व निबंध-लेखन का समावेश किया गया है।

Sample Content

अनुक्रमणिका

क्र.	पाठ का नाम	रचनाकार	पृष्ठ
	पहली इकाई		
१.	हे मातृभूमि!	रामप्रसाद 'बिस्मिल'	१
२.	वारिस कौन?	विभा रानी	५
३.	नाखून क्यों बढ़ते हैं?	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी	११
४.	गाँव-शहर	प्रदीप शुक्ल	१८
५.	मधुबन	अनुराग वर्मा	२२
६.	जरा प्यार से बोलना सीख लीजे	रमेश दत्त शर्मा	२८
७.	मेरे रजा साहब	सुजाता बजाज	३२
८.	पूर्ण विश्राम	सत्यकाम विद्यालंकार	३८
९.	अनमोल वाणी	संत कबीर/भक्त सूरदास	४६
	दूसरी इकाई		
१.	धरती का आँगन महके	डॉ. प्रकाश दीक्षित	५०
२.	दो लघुकथाएँ	हरि जोशी	५४
३.	लकड़हारा और वन	अरविंद भटनागर	६१
४.	सौहार्द-सौमनस्य	जहीर कुरैशी	६८
५.	खेती से आई तब्दीलियाँ	पं. जवाहरलाल नेहरू	७३
६.	अंधायुग	डॉ. धर्मवीर भारती	७९
७.	स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है	लोकमान्य बाळ गंगाधर टिळक	८३
८.	मेरा विद्रोह	सूर्यबाला	८९
९.	नहीं कुछ इससे बढ़कर	सुमित्रानंदन पंत	९९

क्र.	पाठ का नाम	पृष्ठ
	भाषा अध्ययन (व्याकरण)	
१.	शब्द-भेद (Parts of Speech)	१०४
२.	काल (Tense)	११०
३.	वाक्य-विचार (Syntax)	१११
४.	वाक्य-भेद (Types of sentences)	११२
५.	लिंग (Gender)	११३
६.	वचन (Number)	११४
७.	शुद्धाक्षरी लेखन	११४
८.	कारक (Case)	११५
९.	विरामचिह्न (Punctuations)	११७
१०.	प्रत्यय (Suffix)	११८
११.	मानक वर्तनी	११९
१२.	वर्ण-विच्छेद	१२०
	उपयोजित लेखन	
१.	पत्र-लेखन	१२२
२.	गद्य-आकलन (प्रश्न निर्मिति)	१२९
३.	वृत्तांत-लेखन	१३२
४.	कहानी-लेखन	१३५
५.	विज्ञापन-लेखन	१३८
६.	अनुवाद-लेखन	१४१
७.	निबंध-लेखन	१४४

निर्देश : पाठ में दी गई कृतियों को * के द्वारा दर्शाया गया है।

उपयोजित लेखन में पूर्णांक प्राप्त करने हेतु टार्गेट के **"हिंदी व्याकरण व लेखन"** पुस्तक का अधिकाधिक अभ्यास करें। अधिक जानकारी हेतु दिए गए QR Code को स्कैन करें।

Sample Content

पहली इकाई

1 हे मातृभूमि!

– रामप्रसाद 'बिस्मिल'

परिचय

रचनाकार

रामप्रसाद 'बिस्मिल' भारत के महान स्वतंत्रता सेनानियों में से एक थे। उनका जन्म १८९७ में उत्तर प्रदेश के शाहजहाँपुर में हुआ, जबकि मृत्यु १९२७ में उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में हुई। वे बहुत बड़े कवि, विचारक, अनुवादक, बहुभाषाविद् व साहित्यकार भी थे। उन्हें 'बिस्मिल' 'राम' व 'अज्ञात' जैसे उपनामों से भी जाना जाता है।

प्रमुख रचनाएँ

सरफरोशी की तमन्ना, मन की लहर, आत्मकथा आदि।

पद्य

प्रस्तुत पद्य देशभक्ति पर आधारित है। इसमें कवि ने मातृभूमि के प्रति अपने प्रेम व भक्तिभाव को व्यक्त किया है। कवि मातृभूमि के लिए अपना सर्वस्व निछावर करने को तत्पर है। यह कविता देशभक्ति की भावना जागृत करती है और सभी देशवासियों को मातृभूमि का सम्मान करने का संदेश देती है।

शब्द वाटिका

शब्दार्थ

चरण	पैर, पाँव (feet)
जिह्वा	जीभ (tongue)
तजकर	छोड़कर (discarded)
देह	शरीर (body)
नवाना	झुकाना (bow down)
पद	पैर (feet)
प्रतिदिन	हर दिन (daily)
बलिदान	प्राणाहुति, निछावर (sacrifice)
माई	माँ (mother)
रज	धूल (dust)
शीश	सिर (head)
सपूत	सुपुत्र (good son)

सरल अर्थ

१. हे मातृभूमि! तेरे ..... शरण में लाऊँ।।

अर्थ : यहाँ कवि अपनी मातृभूमि की वंदना करते हुए कहता है कि हे मातृभूमि! मैं तेरे पवित्र चरणों में अपना सिर झुकाता हूँ। मैं भक्तिरूपी भेंट तुझे अर्पित करने तेरी शरण में आया हूँ।

२. माथे पे तू ..... तेरा ही नाम गाऊँ।।

अर्थ : कवि अपनी मातृभूमि से कहता है कि मेरे माथे का तिलक, गले की माला व जीभ पर जो गीत है, वह सब कुछ तुम्हारे नाम का ही हो अर्थात मैं सदैव तुम्हारा ही गुणगान करूँ।

३. जिससे सपूत उपजें ..... शीश पे चढ़ाऊँ।।

अर्थ : कवि अपनी मातृभूमि से कहता है कि जिस भूमि पर राम व कृष्ण जैसे सपूतों का जन्म हुआ है, उसकी धूल को मैं हमेशा अपने सिर पर चढ़ाना चाहता हूँ।

४. माई! समुद्र जिसकी पद ..... वे चरण दबाऊँ।।

अर्थ : कवि कहता है कि हे माँ! समुद्र जिसके पैरों की धूल को अपने जल से लगातार धोकर प्रणाम करता है, मैं भी उन्हीं चरणों को दबाना अर्थात उनकी सेवा करना चाहता हूँ।

५. सेवा में तेरी ..... सुनूँ-सुनाऊँ।।

अर्थ : कवि अपनी मातृभूमि से कहता है कि मैं हर प्रकार का भेदभाव त्यागकर तुम्हारी ही सेवा करना चाहता हूँ। मैं प्रतिदिन सिर्फ तुम्हारे नाम का ही गुणगान करना चाहता हूँ।

६. तेरे ही काम आऊँ ..... बलिदान मैं जाऊँ।।

अर्थ : कवि मातृभूमि से कहता है कि मैं तेरे काम आना चाहता हूँ और तेरे ही नाम का मंत्र गाना अर्थात आजीवन तुम्हारा ही गुणगान करते रहना चाहता हूँ। मैं अपना तन व मन दोनों तुम पर निछावर कर देना चाहता हूँ।

संकलित मूल्यांकन (Summative Assessment)

पद्यांश १

पाठ्यपुस्तक पृष्ठ क्रमांक १

[हे मातृभूमि! .... शीश पे चढ़ाऊँ।।]

निर्देश : यहाँ पद्यांश की पंक्तियों को पूरा न देते हुए उसके आरंभ और अंत के शब्द संकेत के लिए दिए गए हैं। विद्यार्थी पाठ्यपुस्तक से इन पंक्तियों को पढ़ें। ज्ञात हो कि परीक्षा में पद्यांश की पूरी पंक्तियाँ दी जाएँगी, जिसके आधार पर कृतियों के उत्तर लिखने होंगे।

Sample Content

१ – आकलन कृतियाँ

१. संजाल पूर्ण करो :

पद्यांश में आए शारीरिक अवयव

उत्तर : १. शीश २. माथा
३. छाती ४. जिह्वा

२. आकृति पूर्ण करो :

पद्यांश में आए दो पौराणिक चरित्र

उत्तर : १. राम २. कृष्ण

३. उचित जोड़ियाँ मिलाओ :

क्र.	अ		ब
१.	भक्ति	क.	माला
२.	माथा	ख.	भेंट
३.	छाती	ग.	गीत
४.	जिह्वा	घ.	चंदन

उत्तर : (१ - ख), (२ - घ), (३ - क), (४ - ग)।

***४. एक शब्द में उत्तर लिखो :**

१. मातृभूमि के चरणों में इसे नवाना है –
२. कवि की जिह्वा पर इसके गीत हों –
३. मातृभूमि के सपूत –

उत्तर : १. शीश २. मातृभूमि
३. राम-कृष्ण

२ – शब्द संपदा

१. निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द पद्यांश में से खोजकर लिखो :

१. कपूत २. पर

उत्तर : १. सपूत २. निज

२. निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग अलग करके मूल शब्द लिखो :

१. बेनाम २. सपूत

उत्तर : १. नाम २. पूत

३ – सरल अर्थ

१. पद्यांश की प्रथम दो पंक्तियों का भावार्थ लिखो।

उत्तर : यहाँ कवि अपनी मातृभूमि की वंदना करते हुए कहता है कि हे मातृभूमि! मैं तेरे पवित्र चरणों में अपना सिर झुकाता हूँ। मैं भक्तिरूपी भेंट तुझे अर्पित करने तेरी शरण में आया हूँ।

पद्यांश २

पाठ्यपुस्तक पृष्ठ क्रमांक १
[माई ! समुद्र जिसकी .....
..... बलिदान मैं जाऊँ ।।]

१ – आकलन कृतियाँ

***१. कृति पूर्ण करो :**

कवि मातृभूमि के प्रति अर्पित करना चाहता है

उत्तर : १. मन २. देह

२. निम्नलिखित विधानों को पढ़कर गलत विधानों को सही करके पुन : लिखो :

१. नदियाँ मातृभूमि के पग धोती हैं।
२. कवि मातृभूमि की सेवा में भेदभाव करता है।

उत्तर : १. गलत ; समुद्र मातृभूमि के पग धोता है।
२. गलत ; कवि भेदभाव तजकर मातृभूमि की सेवा करता है।

***३. एक शब्द में उत्तर लिखो :**

१. मातृभूमि के चरण धोने वाला -
२. प्रतिदिन सुनने/सुनाने योग्य नाम -

उत्तर : १. समुद्र
२. मातृभूमि

***४. कविता की पंक्तियाँ पूर्ण करो :**
सेवा में तेरी ..... बलिदान मैं जाऊँ।।

उत्तर : सेवा में तेरी माता ! मैं भेदभाव तजकर ;
वह पुण्य नाम तेरा, प्रतिदिन सुनूँ-सुनाऊँ।।
तेरे ही काम आऊँ, तेरा ही मंत्र गाऊँ।
मन और देह तुम पर बलिदान मैं जाऊँ।।

२ – शब्द संपदा

१. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द पद्यांश में से खोजकर लिखो :

१. पैर २. धूल
३. सागर ४. माँ

उत्तर : १. पद, चरण २. रज
३. समुद्र ४. माता, माई

Sample Content

२. निम्नलिखित शब्दों से तद्धित बनाओ :

१.	समुद्र	२.	नाम
३.	काम	४.	बलिदान

उत्तर : १. समुद्रीय २. नामी
३. कामना ४. बलिदानी

३ – सरल अर्थ

१. पद्यांश की अंतिम दो पंक्तियों का भावार्थ लिखो।

उत्तर : कवि मातृभूमि से कहता है कि मैं तेरे काम आना चाहता हूँ और तेरे ही नाम का मंत्र गाना अर्थात आजीवन तुम्हारा ही गुणगान करते रहना चाहता हूँ। मैं अपना तन व मन दोनों तुम पर निछावर कर देना चाहता हूँ।

पाठ पर आधारित कृतियाँ

***१. कृति पूर्ण करो :**

मातृभूमि की विशेषताएँ

उत्तर : १. राम-कृष्ण जैसे सपूत पैदा हुए।
२. समुद्र पैरों की धूल धोता है।
३. समुद्र प्रणाम करता है।
४. नाम पुण्य है।

***भाषा बिंदु**

१. निम्न विरामचिह्नों के नाम लिखकर उनका वाक्य में प्रयोग करो :

।	;	?	-	!	‘’	“”	–

उत्तर : १. । → पूर्ण विराम चिह्न
राम अपनी माँ से मिलने गया है।

२. ; → अर्ध विराम चिह्न
हम इस समस्या से लड़ेंगे; इसे सुलझाएँगे और जीत दर्ज करेंगे।

३. ? → प्रश्नवाचक चिह्न
तुम कहाँ जा रहे हो?

४. - → योजक चिह्न
माता-पिता की सेवा करना संतान का कर्तव्य है।

५. ! → विस्मयादिबोधक चिह्न
सचमुच! यह चित्र बहुत सुंदर है।

६. ‘’ → इकहरा अवतरण चिह्न (उद्धरण)
आज मैंने ‘रामायण’ का पाठ किया।

७. “” → दोहरा अवतरण चिह्न (उद्धरण)
जटायु ने कहा, “रावण! तुम सीता को छोड़ दो।”

८. – → निर्देशक चिह्न
राजा गरज पड़े – “मूर्ख रास्ता छोड़ो।”

***मैंने समझा**

उत्तर : मातृभूमि की सेवा करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। आवश्यकता पड़ने पर अपने देश के लिए अपना सर्वस्व निछावर करने वाला ही मातृभूमि का सच्चा सपूत होता है।

आकारिक मूल्यांकन (Formative Assessment)

भाषिक कौशल

***कल्पना पल्लवन**

‘मातृभूमि की सेवा में जीवन अर्पण करना प्रत्येक मनुष्य का कर्तव्य है’, इस कथन पर अपने विचार लिखो।

उत्तर : जो भरा नहीं है भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं।
हृदय नहीं वह पत्थर है, जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं।

व्यक्ति जिस राज्य व देश में जन्म लेता है, वही उसकी जन्मभूमि अर्थात मातृभूमि होती है। अपनी मातृभूमि के प्रति हर व्यक्ति के कर्तव्य होते हैं। कहा जाता है कि ‘जननी-जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी’ अर्थात जननी (माता) व जन्मभूमि (मातृभूमि) का स्थान स्वर्ग से भी श्रेष्ठ होता है। माता अपने बालक के लिए अनगिनत तकलीफों को हँसते-हँसते सह लेती है। उसके पालन-पोषण हेतु अपना सबकुछ देने के लिए वह सदैव तैयार रहती है। माता की भाँति ही मातृभूमि भी अपनी संतानों के लिए फल-फूल, अनाज आदि प्राकृतिक संसाधन उपलब्ध कराती है और उनके जीवन को सुखमय बनाती है।

Sample Content

***उपयोजित लेखन**

शब्दों के आधार पर कहानी लिखो :

ग्रंथालय, स्वप्न, पहेली, काँच

उत्तर :

होशियार आर्यन

बहुत पुरानी बात है। राधापुर गाँव के बगल में एक घना जंगल था। गाँव से थोड़ी दूर जंगल के किनारे आर्यन अपनी माँ राधा के साथ एक टूटी-फूटी झोंपड़ी में रहता था। आर्यन पढ़ने में बहुत तेज था। राधा गाँव के लोगों के घर के छोटे-मोटे काम कर किसी तरह अपना व अपने बच्चे का पेट पालती थी।

गाँव का सरकारी विद्यालय जंगल के दूसरे छोर पर था। एक दिन विद्यालय से घर लौटते समय आर्यन जंगल में घूमने-टहलने लगा। वह जंगल के उस छोर पर पहुँच गया, जहाँ एक छोटी-सी नदी व पहाड़ी थी। वहाँ घूमते-घूमते उसे एक बड़े चट्टान के नीचे एक संदूकची मिली। उसमें **काँच** की एक बड़ी-सी बेलनाकार शीशी थी, जिसमें लाल रंग का द्रव्य पदार्थ था। इसके अलावा एक पत्र था, जिसमें कुछ लिखा था। आर्यन शब्दों की लिखावट तो पहचान रहा था, लेकिन समझ नहीं पा रहा था कि आखिर लिखा क्या है। वह उस पत्र को लेकर घर लौटा। वह इस **पहेली** को सुलझाने की कोशिश करने लगा। सोचते-सोचते उसकी आँख लग गई। नींद में उसे एक सपना आया कि किताबें ज्ञान का भंडार होती हैं। उनमें सारे सवालों के जवाब मिल जाते हैं। जब **स्वप्न** टूटा तो सुबह हो गई थी।

आर्यन तैयार होकर विद्यालय पहुँचा। विद्यालय के **ग्रंथालय** में जाकर उसने विभिन्न प्रकार की भाषाओं व लिपियों के बारे में जानकारी प्राप्त की, लेकिन उसे जो पत्र मिला था, उसके अक्षर किसी प्राचीन लिपि से मेल नहीं खाते थे। वह चिंतित हो गया। अचानक उसकी नजर विज्ञान की एक पुस्तक पर पड़ी जिस पर एक आईना छपा था। उसने पुस्तक उठाई और पढ़ना शुरू किया। उसमें लिखा था कि आईने में किसी भी चीज का प्रतिबिंब उलटा दिखाई देता है। उदाहरण के तौर पर कुछ शब्द कागज पर लिखकर आईने में दिखाए गए थे, जो उलटे दिखाई दे रहे थे। आर्यन के दिमाग में युक्ति सूझी। वह घर पहुँचा। उसने आईने के सामने उस पत्र को रखा। उसका प्रतिबिंब आईने में दिखा। अब सब कुछ हिंदी में साफ-साफ दिखाई दे रहा था। उसमें लिखा था कि सामने की पहाड़ी में एक छोटा-सा छेद है, उसमें शीशी को रखकर उसे फोड़ दें।

आर्यन इस संदूकची व पत्र की पहेली को सुलझाने के करीब पहुँच गया था। दूसरे दिन जंगल में जाकर आर्यन ने पत्र में जैसा लिखा था ठीक वैसा ही किया। उसने देखा कि वह द्रव पदार्थ एक गोलाकार पहेली की भाँति अपना रास्ता बनाते हुए एक विशाल पत्थर के नीचे गया और अचानक वह पत्थर अपनी जगह से हट गया। उस पत्थर के नीचे एक छोटा-सा कलश था, जिसमें सोने की मोहरें थीं। उसने झट से कलश उठा लिया और माँ के पास पहुँचा। उसने सारी बातें माँ को बताईं। दोनों मोहरें पाकर खुश हो गएँ।

सीख : किसी भी परिस्थिति में सोच-विचारकर काम करना चाहिए।

***स्वयं अध्ययन**

'विकास की ओर बढ़ता हुआ भारत देश' से संबंधित महत्त्वपूर्ण कार्यों की सूची बनाओ।

उत्तर : भारत देश एक विकासशील राष्ट्र है, जो तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। देश के विकास से संबंधित कुछ महत्त्वपूर्ण कार्यों की सूची निम्नलिखित है :

१. सभी के लिए शिक्षा उपलब्ध कराए जाने के साथ ही तकनीकी शिक्षा पर विशेष बल दिया जा रहा है।
२. विदेशी निवेशों को आकर्षित कर रोजगार बढ़ रहा है।
३. राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से विकसित तकनीक के हथियारों का निर्माण व आयात किया जा रहा है।
४. देश के सौंदर्यीकरण व सुव्यवस्था को ध्यान में रखते हुए तकनीकों का प्रयोग कर पुनर्वास, विकसित सड़कों व पुलों का निर्माण, वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान आदि कार्यों को सुचारू रूप से आगे बढ़ाया जा रहा है।
५. घर-घर चलने वाले लघु उद्योगों को सरकार की ओर से सहायता दी जा रही है।
६. किसानों को अधिकाधिक सुविधा, सलाह व सहायता दी जा रही है।

उपयोजित लेखन में पूर्णांक प्राप्त करने हेतु टार्गेट के **"हिंदी व्याकरण व लेखन"** पुस्तक का अधिकाधिक अभ्यास करें। अधिक जानकारी हेतु दिए गए QR Code को स्कैन करें।

Sample Content

AVAILABLE BOOKS FOR STD. VIII:
(ENG., MAR. & SEMI ENG. MED.)

NOTES
- English Balbharati
- मराठी सुलभभारती
- हिंदी सुलभभारती
- History and Civics
- Geography
- General Science
- Mathematics

NOTES
- My English Book
- मराठी बालभारती
- हिंदी सुलभभारती
- इतिहास व नागरिकशास्त्र
- भूगोल
- सामान्य विज्ञान
- गणित

WORKBOOK
- English Balbharati
- मराठी सुलभभारती
- हिंदी सुलभभारती
- My English Book
- मराठी बालभारती

AVAILABLE BOOKS FOR STD. IX:
(ENG., MAR. & SEMI ENG. MED.)

NOTES
- English Kumarbharati
- मराठी अक्षरभारती
- हिंदी लोकभारती
- हिंदी लोकवाणी
- आमोद: सम्पूर्ण-संस्कृतम्
- आनन्द: संयुक्त-संस्कृतम्
- History and Political Science
- Geography
- Mathematics (Part - I)
- Mathematics (Part - II)
- Science and Technology

NOTES
- My English Coursebook
- मराठी कुमारभारती
- हिंदी लोकभारती
- हिंदी लोकवाणी
- आमोद: सम्पूर्ण-संस्कृतम्
- आनन्द: संयुक्त-संस्कृतम्
- इतिहास व राज्यशास्त्र
- भूगोल
- गणित (भाग - I)
- गणित (भाग - II)
- विज्ञान आणि तंत्रज्ञान

WORKBOOK
- English Kumarbharati
- मराठी अक्षरभारती
- हिंदी लोकभारती
- My English Coursebook
- मराठी कुमारभारती

ADDITIONAL TITLES
Grammar & Writing Skills Books
(Std. VIII, IX & X)
- Marathi
- Hindi
- English

OUR PRODUCT RANGE
Children Books | School Section | Junior College
Degree College | Entrance Exams | Stationery

Visit Our Website

Target Publications® Pvt. Ltd.
Transforming lives through learning.

Address:
2nd floor, Aroto Industrial Premises CHS,
Above Surya Eye Hospital, 63-A, P. K. Road,
Mulund (W), Mumbai 400 080

Tel: 88799 39712 / 13 / 14 / 15
Website: www.targetpublications.org
Email: mail@targetpublications.org

Explore our range of STATIONERY